S-I/3/1127/22

प्रथम सत्रार्द्ध

तृतीय पत्र

हिन्दी

समयः तीन घण्टे — पूर्णाङ्क 80

अ. अतिलघूत्तरीय सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (15×2=30)

1. "स्वर्णकाल" किस काल को कहा गया है?

अथवा

हिन्दी साहित्य के इतिहास में मध्यकाल को कितने भागों में बाँटा गया है?

2. कबीर किस धारा के कवि थे?

3. भक्तिकाल को "सांस्कृतिक आंदोलन" किसने कहा?

4. उत्तरमध्यकाल किसे कहा गया है?

अथवा

काल की दृष्टि से रीतिकाल को क्या नाम दिया गया?

5. रामभक्ति शाखा के प्रधान कवि कौन हैं?

6. भक्तिकालीन साहित्य को कितनी कोटियों में विभाजित किया जाता है? नाम लिखिए।

अथवा

निर्गुण भक्ति की कितनी शाखाएँ हैं? नाम बताइए।

7. कृष्णभक्ति शाखा के दो कवियों के नाम लिखिए।

8. "लोकमंगल की साधनावस्था" का कवि किसे माना गया है?

9. उत्तर-भारत में भक्ति का प्रारम्भ किससे माना जाता है?

अथवा

कबीर की भाषा में कितनी भाषाओं का मिश्रण है?

10. "लोकवेद" का क्या तात्पर्य है ?

11. "जतन बिन मिरगन खेत उजारे" में "खेत" का प्रतीकार्थ क्या है ?

12. साखी, सबद और रमैनी किसके भाग हैं ?

अथवा

सूरदास रचित दो ग्रंथों के नाम लिखिए।

13. "बरवै रामायण" के रचनाकार कौन हैं ?

14. "मन-मीन" में कौन सा अलंकार है ?

15. "चतुराई" शब्द में संज्ञा का कौन सा भेद है ?

ब. लघूत्तरीय सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×6=30)

16. सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

कृपा-डोरि, वंशी-पद-अंकुस, परम प्रेम मृदु चारो।
एहि विधि बेधि हरहु मेरो दुख, कौतुक राम तिहारो॥

17. "पुष्टिमार्ग" पर टिप्पणी लिखिए।

18. कबीर का संक्षिप्त जीवन परिचय लिखिए।

अथवा

गोस्वामी तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

19. तुलसीदास के दोहों के आधार पर उनकी विनय भावना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

संत साहित्य की प्रधान विशेषताएँ लिखिए।

20. सर्वनाम की परिभाषा लिखते हुए उसके भेदों को सोदाहरण समझाइए।

अथवा

गुणवाचक विशेषण को सोदाहरण समझाइए।

स. दीर्घोत्तरीय दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (10×2=20)

21. संज्ञा के भेदों सहित एक लेख लिखिए।

अथवा

पुष्पवाटिका प्रसंग के कथ्य को लिखिए।

22. कबीर के दर्शन को समझाइए।

अथवा

बिहारीलाल के दोहों के बारे में ऐसा क्यों कहा जाता है कि "देखन में छोटे लगे घाव करें गंभीर"।